कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) से (ग) कोल इंडिया लि० (को०इं०लि०) से प्राप्त सूचना के अनुसार वर्ष 1994-95 के लिए 228.10 मि० टन के प्रेषण लक्ष्य की तुलना में वास्तविक उपलब्धि 219.48 मि० टन (अनंतिम) थी। यह लक्ष्य के 96.2% होने का अनुमान लगाया गया है।

(घ) रेलवे द्वारा क्षति प्रभार लगाए जाते हैं जबकि उनके द्वारा निर्धारित लदान की छूट की समयावधि में लदान का कार्य पूरा नहीं किया जाता है। को०इं०लि० के अनुसार ऐसा विलम्ब वैगनों के लदान के कुछ मामलों में भारी वर्षा के कारण हुई अव्यवस्था, खुली वैगनों के स्थान पर ढके वैगनों की आपूर्ति, रात्रि के देरी के घंटों में वैगनों की प्रतिस्थापना, विद्युत की विफलता और लदान को प्रभावित करने वाले अन्य खराबी के कारण होता है।

(ङ) वर्ष 1994-95 के दौरान रेलवे द्वारा 16047 चार पहिया वैगन (एफ०डब्लू०डब्लू०) दैनिक औसत वैगनों की आपूर्ति की गई, जबकि दैनिक औसत लदान 15,937 एफ०डब्लू०डब्लू० वैगनों का किया गया। वैगनों औसत दैनिक बकाया 4193 एफ०डब्लू०डब्लू० था। को०इं०लि० ने यह उल्लेख किया है कि किसी दिन विशेष को दर्शायी गई बकाया वैगनों को वास्तव में, रेलवे द्वारा निर्धारित लदान की छूट की अवधि के बाद, लदान तथा प्रेषण के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

वर्ष 1995-96 के दौरान कोयला उत्पादन का लक्ष्य

5833. **श्री जनेश्वर मिश्र:** क्या कोयला मंत्री 24 अप्रैल, 1995 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 3083 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1995-96 के दौरान कोयला उत्पादन का लक्ष्य कितना है;

(ख) क्या सरकार ने कोयले को गुणवत्ता सुधारने के लिए कोई उपाय किए हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) वर्ष 1995-96 के लिए कोयले का अखिल भारतीय लक्ष्य 274.50 मि० टन रखा गया है।

(ख) और (ग) कोयले की गुणवत्ता में सुधार किए जाने के लिए कोयला कम्पनियों द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं/उपाय किए जा रहे हैं:—

(1) कोयले का उत्पादन करते समय चयनकृत खनन तथा साफ बेंच अनुरक्षण किया जाना।

(2) फीडर ब्रेकरों की तथा कोयला रख-रखाव संयंत्रों की स्थापना की एक कार्रवाई योजना क्रियान्वित की जा रही है।

(3) कोयले के लदान स्थल पर पत्थरों को अलग किया जाना।

(4) जहां कहीं भी व्यवहार्य होता है, श्रमिक द्वारा कंकड़ तथा पत्थरों को चुनने के लिए कोयले के संयंत्रों में धीमी गति की बेल्ट लगाई जा रही है।

(5) लदान के समय कोयले की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए और कामगारों, पर्यवेक्षकों तथा रेल साइडिंग के अधिकारी में गुणवत्ता संबंधी जागरुकता पैदा करने के लिए बेहतर पर्यवेक्षण करने के लिए सुनिश्चय किया जा रहा है।

(6) प्रेषित किए गए कोयले की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए लदान के समय उपभोक्ताओं के प्रतिनिधि तैनात करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

(7) विद्यमान कोककर कोयला वाशरियों के आधुनिकीकरण तथा संशोधन को त्वरित रूप में पूरा किया जाना।

(8) परिष्कृत किए गए कोयले की मुख्यतः कोयला क्षेत्रों को 1000 किलो मीटर से अधिक की दूरी पर स्थित दूरस्थ स्थित कुछ विद्युत गृहों के लिए कोयला परिष्कृत किए जाने के लिए स्थापना किया जाना।

कोल इंडिया लिमिटेड के आधुनिकीकरण और उसके विस्तार हेतु विश्व बैंक से ऋण

5834. **श्री जनेश्वर मिश्रः** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने कोल इंडिया लिमिटेड के आधुनिकीकरण और उसके विस्तार हेतु विश्व बैंक से एक बिलियन डालर का ऋण प्राप्त करने के लिए कोई नीतिगत निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा उक्त ऋण किन-किन निबंधन और शर्तों पर लिया जा रहा है; और

(ग) इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) से (ग) कोल इंडिया लि० (को०इं०लि०) और विश्व बैंक के बीच 31 परियोजनाओं के लिए एक सम्भावित ऋण प्राप्त करने हेतु विचार-विमर्श चल रहा है, जिसमें नयी/विस्तार परियोजनायें और विपणन खानों एवं परियोजनाओं में हैवी अर्थ-मूविंग मशीनरी की प्रतिस्थापना का कार्य शामिल है। को०ई०लि० द्वारा विश्व बैंक से लगभग 2932 करोड़ रु० की राशि की सहायता मांगी गई है।

ऋण की शर्तों के संबंध में जानकारी विश्व के साथ चल रहे विचार-विमर्श के निष्कर्ष पर पहुचाने के बाद ही पता चल सकेगा।

Decline in Marine Shrimp Exports

5835. SHRI YERRA NARAYANA-SWAMY: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether any analysis has been made of the causes for the decline in exports of marine shrimp;

(b) if so, the details of the study;

(c) whether it is a fact that MPEDA has given less attention to exports of shrimp from oceanic resources; and

(d) if so, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) No, Sir. There is no decline in the exports of marine shrimp, though landings from capture sources have been stagnating.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

Mechanism for fixing input-output norms for Export Products

5836. SHRI PARMESHWAR KUMAR AGARWALLA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what is the mechanism of fixation of input-output norms for different export products under the Duty Exemption scheme of the Export-Import Policy;

(b) whether there is any system of pre or post export audit for verification of the authenticity of such laid down input-output norms; if so, what are its operational modalities; and

(c) if not, in what manner the correctness of the input-output norms for a large number and varieties of export products is ensured?